राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "विशेष हिन्दी दिवस" मनाया गया

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 14 से 30 सितंबर, 2024 तक हिन्दी पखवाड़ा समारोह के आयोजन के दौरान 24 सितंबर, 2024 को ब्यूरो के सम्मेलन कक्ष में **"विशेष हिन्दी दिवस"** मनाया गया। इसी संदर्भ में **"विशेष हिन्दी दिवस"** का उदघाटन ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील; कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, सहायक कमांडेंट, श्री सुधीर कुमार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.), यलहंका, बेंगलूरु; ब्यूरो के विभागाध्यक्ष- जननद्रव्य संग्रहण और लक्षणीकरण, डॉ. सुनील जोशी; प्रधान वैज्ञानिक एवं नेशनल फ़ेलो, डॉ. के. श्रीदेवी और प्रशासनिक अधिकारी, श्री जे. मैथ्यू ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उदघाटन किया।

उद्घाटन के उपरांत मुख्य अतिथि, सहायक कमांडेंट, श्री सुधीर कुमार, ने **"सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के सुलभ प्रयोग तथा कार्यस्थल पर होने वाले तनाव और उनके प्रबंधन"** विषयों पर सम्मेलन कक्ष में उपस्थित प्रतिभागियों को बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होनें कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा किए जा रहे अनुसंधानों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि इन शोधों को किसानों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक है कि उनकी सरल भाषा में अनुवाद करके उन तक पहुंचाया जा सके।

"विशेष हिन्दी दिवस" कार्यक्रम के दौरान हिन्दी मुहावरों को अभिव्यक्ति व्यक्त करना संबंधित प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें 20 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

तदोपरांत ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने अपने सम्बोधन में समस्त कर्मचारियों को "हिन्दी पखवाड़ा समारोह" के आयोजन के अवसर पर शुभकामनाएँ दी और **"विशेष हिन्दी दिवस"** के सफल आयोजन पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को बधाई दी। ब्यूरो के निदेशक महोदय, डॉ. एस. एन. सुशील ने कहा कि हमारा देश विविधताओं का देश है हमारे देश में अनेक भाषा-भाषी लोग रहते हैं, कहावत भी है कि "कोस-कोस पर बदले पानी और चार कोस पर वाणी अर्थात हमारे देश भारत में हर एक कोस की दूरी पर पानी का स्वाद बदल जाता है और चार कोस पर भाषा यानि वाणी भी बदल जाती है। इस संदर्भ में आवश्यकता है कि सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए राजभाषा में सामंजस्य अपनाते हुए इनका प्रयोग किया जाए। हमारे ब्यूरो में **केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के लिए प्रशिक्षण** हिन्दी में दिए जा रहे हैं, अभी तक इस प्रकार के दो प्रशिक्षण मधुमक्खी पालन पर दिए जा चुके हैं। निदेशक महोदय ने राजभाषा के सरल उपयोग और कार्यान्वन की महत्ता पर बल दिया और कहा कि अनुवाद करते समय ऐसे शब्दों का चयन करना चाहिए जो कि आम जनता की प्रचलन या बोलचाल और उनको समझ में आने वाली भाषा हो।

इस समारोह का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया।

"विशेष हिन्दी दिवस" कार्यक्रम के दौरान लिए गए कुछ फोटो -

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "विशेष हिन्दी दिवस" आयोजन

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "विशेष हिन्दी दिवस" आयोजन